No.

Q:- LPG क्या है? भारत में इस हेतु क्या कदम उठाए गए हैं? भारत में LPG की सफलता एवं असफलताओं की विवेचना करें।

→ LPG भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का एक मॉडल था जिसे 1991 में सरकार द्वारा अपनाया गया था। यह विकसित देशों द्वारा शुरू किया गया एक मॉडल था जिसे अन्य देशों द्वारा अपनाया गया।

LPG: उठाए गए कदम

Liberalization, Privatization, Globalization के तहत भारत में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ।

LPG

- उद्योगों का विकेन्द्रीकरण, निजीकरण
- भूमण्डलीकरण
- लाइसेंस की अनिवार्यता समाप्त की गई।
- MRTP अधिनियम समाप्त कर CCI की स्थापना।
- विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना हुई।
- FERA की जगह FEMA ने ली।
- खनिज नीति का उदारीकरण हुआ।
- सार्वजनिक क्षेत्रों में आरक्षित विषयों की संख्या घटाई गई।

UNIQUE
BHOPAL

U.P.S.C
UNIQUE IAS
STUDY CIRCLE SINCE: 1990

इन सभी के अलावा अन्य कई कार्य जैसे लघु उद्योगों की आरक्षित विषयों की संख्या घटाना, LPG को अच्छी तरह से लागू करने हेतु कई तरह के विभागों का निर्माण करना शामिल था।

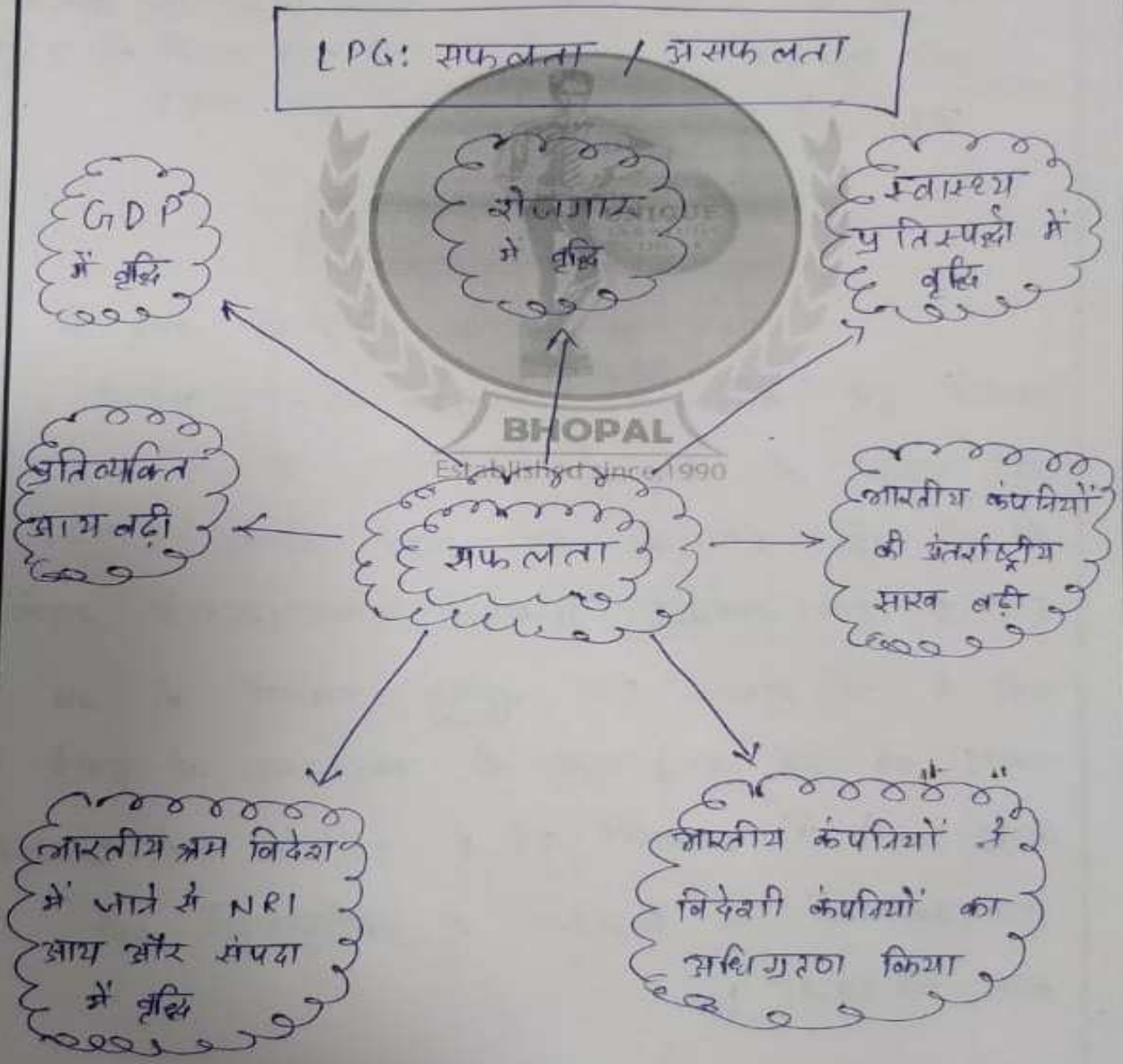

BHOPAL
Established Since 1990

U.P.S.C
UNIQUE IAS
STUDY CIRCLE SINCE: 1990

असफलता

- लघु उद्योग के लिए घातक Ex: विनिर्माण क्षेत्र
- अमीरी - गरीबी के बीच की खाई बढ़ी
- FDI आशा के अनुरूप नहीं हुआ

FDI सिर्फ विनिर्माण क्षेत्र में हुआ वहीं सिंचाई, सड़क आदि मूलभूत आवश्यकता अपूर्ण रहे।

क्रोनी पूंजीवाद को बढ़ावा मिला एवं सरकारी नीति आम आदमी को प्रभावित नहीं कर पाए।

LPG : निष्कर्ष

LPG से भारत को कई तरह के फायदे हुए वहीं कई नुकसान भी हुए परन्तु जहाँ भारत की विकास दर 1991 से पूर्व 3.5% की थी वहीं LPG के बाद इसमें काफी इजाफा हुआ। आगे चलकर मूलभूत आवश्यकताएँ सड़कें आदि में भी सुधार हुए क्योंकि विभिन्न उद्योगों के उत्पाद को एवं कच्चे माल को एक जगह से दूसरे जगह जाने में आसानी हुई। उद्योगों एवं मूलभूत आवश्यकताओं के विकास से बेरोजगारों को काम भी मिला।

BHOPAL
Established since:1990